

**शुष्कत्व** पुं. (तत्.) शुष्कता, सूखापन।

**शुष्क नदी** स्त्री. (तत्.) सूखी नदी, अफ्रीका के कालाहारी मरुस्थल जैसे विश्व के कई स्थलों में पाई जाने वाली प्राचीन सूखी नदी, सूखी नदी कभी-कभी स्थिर पानी के तालाब का रूप धारण कर लेती है और उसका क्षेत्र अपने आस-पास की रेतीली भूमि की तुलना में ज्यादा उर्वर होता है, शुष्क नदी पहले बारहमासी नदी होती थीं, लेकिन समय के साथ-साथ वे सूख चुकी होती हैं और केवल भारी बारिश के दौरान ही नदी का रूप धारण करती है।

**शुष्कल** पुं. (तत्.) सूखा माँस, माँस वि. माँस-भक्षी।

**शुष्क वन** पुं. (तत्.) बारहमासी वृक्षों का जंगल (इन जंगलों में पाए जाने वाले वृक्षों के लंबे पत्तों का प्रयोग प्रायः टोरियाँ बनाने के लिए किया जाता है।

**शुष्क व्रण** पुं. (तत्.) वह घाव/फोड़ा जो ठीक होकर सूख चुका हो।

**शुष्कांग** पुं. (तत्.) धव वृक्ष वि. जिसका शरीर दुबला-पतला हो गया हो।

**शुष्कांगी** पुं. (तत्.) 1. गोह/गोधिका नामक जंतु 2. बगुले की जाति की एक चिड़िया 3. प्लव जाति का एक प्रकार का पक्षी वि. दुबला-पतला।

**शुष्का** स्त्री. (तत्.) स्त्रियों का 'योनिक्ंद' नामक रोग।

**शुष्कालेखन** स्त्री. (तत्.) बिजली के प्रयोग तथा स्थिर विद्युतीकरण के जरिए आवेशित प्लेट से लिखित/मुद्रित सामग्री आदि की प्रतियाँ तत्काल तैयार करने की विधि।

**शुष्ण** पुं. (तत्.) 1. सूर्य, सूरज 2. अग्नि, आग 2. शक्ति, बल।

**शुष्म** पुं. (तत्.) 1. अग्नि, आग 2. सूर्य, सूरज 3. तेज, पराक्रम 4. पवन, वायु 5. चिड़िया, पक्षी 6. लौ, लपट 7. दीप्ति, तेज।

**शुष्मा** पुं. (तत्.) 1. अग्नि, आग 2. चित्रक अथवा चीता नामक वृक्ष 3. तेज, पराक्रम, शौर्य, दीप्ति।

**शुहदा** पुं. (अ.) शोहदा। (अरबी 'शहीद' का बहुवचन रूप) गुंडा, बदचलन, बदमाश।

**शूक** पुं. (तत्.) 1. अनाज की बाली का नुकीला भाग, एक अन्न 2. किसी चीज का तीक्ष्ण, अग्रभाग, नोक 3. कीड़ों का नुकीला रोया 4. दाड़ी 5. शिखा 6. शोक, गम 7. दया 8. जल मल से उत्पन्न होने वाला एक विषैला कीड़ा।

**शूकक** पुं. (तत्.) 1. वर्षाकाल 2. रस 3. एक प्रकार का जौ जैसा अन्न।

**शूक-कीट/कीटक** पुं. (तत्.) नुकीले रोयें वाला एक कीड़ा।

**शूक-तृण** पुं. (तत्.) सूकड़ी नाम की घास जो कमजोर पशुओं के लिए बलवर्धक होती है।

**शूक धान्य** पुं. (तत्.) 1. कड़े रोये (टूंड) वाले अनाज जैसे जौ आदि 2. बालियों से निकलने वाला अनाज।

**शूकर** पुं. (तत्.) 1. सुअर, वाराह 2. एक प्रकार का घास, मोथा।

**शूकरकंद** पुं. (तत्.) वाराहीकंद।

**शूकरता** स्त्री. (तत्.) शूकरपन, सुअरपन, सुअर का सा आचरण, सुअर होने की अवस्था या भाव।

**शूकरत्व** पुं. (तत्.) शूकरता, शूकरपन, सुअरपन।

**शूकर पादिका** स्त्री. (तत्.) 1. सेम की फली, कोलशिम्बी 2. केवाँछ, कौँछ।

**शूकरमुख** पुं. (तत्.) एक नरक का नाम।

**शूकराक्षिता** स्त्री. (तत्.) एक प्रकार का नेत्र रोग।

**शूकरास्या** स्त्री. (तत्.) एक बौद्ध देवी जिसे वाराही भी कहते हैं।

**शूकरिक** पुं. (तत्.) एक प्रकार का पौधा।

**शूकरिका** स्त्री. (तत्.) एक प्रकार की चिड़िया।

**शूकरी** स्त्री. (तत्.) 1. मादा सुअर, वाराही, वराहक्रांता 2. खैरी साग 3. वाराही कंद, गेंठी 4. सूँस नामक जलजंतु।